Shrimad Rajchandra Mission
Dharampur

इक्यासी वर्ष के बाद गांधीजी ने फ़िर एकबार रॉयल ऑपेरा हाउस की मुलाकात ली और उनके साथ थी भारत के ईतिहास की एक अनकही कथा भी

कई प्रतिष्ठीत सुग्यजन और विविध क्षेत्र में जानी मानी प्रतिभाएं हिंदी नाट्य प्रयोग युगपुरुष के प्रिमियर शो में उपस्थित रही - महात्मा गांधी और उनके आध्यात्मिक गुरु श्रीमद राजचंद्रजी को एक अनोखी श्रध्धांजली

For Immediate Release **19 December 2016, Mumbai**

पुरे भारत में एक ही ऑपेरा हाउस है जो मुंबई स्थित है, हाल ही में इस रॉयल ऑपेरा हाउस का पुनःउद्धार किया गया है - इस इमारत ने इतिहास, विरासत, संस्कृति और आध्यात्म के कई मेल, कई घटनाएं देखी हैं. कॉर्पोरेट, सामाजिक और राज नैतिक अग्रणीओं ने साथ मिल कर इसि ऐतिहासिक ऑपेरा हाउस में हिंदी नाटक युगपुरुष - महात्मा के महात्मा के प्रिमयर शो रविवार १८ दिसंबर के दिन देखा. इन महानुभावों के साथ पुज्य गुरुदेव श्री राकेशभाई की उपस्थिति भी रही जो श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर के द्रष्टा और स्थापक हैं.

इस प्रिमियर शो में श्रीमती **टीना अंबानी** - चेयरपर्सन - सीएसआर रिलायंस ग्रूप, श्रीमती **इंदु जैन** - चेयर पर्सन - बैनेट एंड कोलमैन एंड कंपनी लि., **श्री मधुर बजाज** - वाइस चेयरमेन एन्ड होल टाईम डिरेक्टर, बजाज ऑटो, श्री **निखील मेसवानी** – एक्ज्युकेटिव डिरेक्टर रिलायंस इंडस्ट्री झ ली., श्री **अमिताभ झुनझुनवाला** - वाइस चेयरमैन रिलायंस कैपिटल एंड ग्रूप मैनेजिंग डिरेक्टर रिलायंस ग्रूप, **श्री निरज बजाज** - चेयरमैन और एमडी - मुकुंद लिमीटेड, श्री **मंगल प्रभात लोढा** - वाइस प्रसिडन्ट और भार तीय जनता पार्टी और श्रीमती **मंजु लोढा**, **डॉ. मुकेश बत्रा** - स्थापक और चेयरमेन एमिरेटस, डॉ. बत्राझ होमिओपथी, श्री **मोफातराज मुनोंत** - चेयरमेन और स्थापक कल्पतरु ग्रूप, माननिय जस्टिस **के के. टेटेड**, श्रीमती **अमला रुइआ** - सामाजिक कार्यकर और स्थापक आकार चैरिटेबल ट्रस्ट इत्यादी जैसे कई नामी लोग उपस्थित रहे.

फिल्म जगत और थिएटर (नाट्य) की दुनिया से श्री आशुतोष गोवारीकर, श्री जितेन्द्र कपूर, श्री विशाल भारद्वाज और श्रीमती रेखा भारद्वाज, श्री प्रेम चोपरा, श्री शर्मन जोशी, श्री रोहीत और श्रीमती मानसी रोय, मिस. तनीशा मुखर्जी, श्री विवान भाटेना, श्री मनहर उधास, श्री दिलीप जोशी, श्री सतिश शाह, श्रीमती भावना सौमैया जैसे महानुभावों ने इस शो का मंचन देखा.

श्री **सुधीर मुंगंतीवार** - कैबिनेट मिनीस्टर ऑफ फाइनांस, प्लानिंग एंड फौरेस्ट डिपार्टमेन्ट्स, रॉयल ऑपेरा हाउस के मालिक महाराजा ऑफ गोंडल श्री **ज्योतेन्द्रसिंहजी** और उनका परिवार, अभिनेता-निर्देशक मनोज जोशी और वरिष्ठ हिंदी फिल्म अभिनेत्री आशा पारेख इसी नाटक के १८ दिसंबर के दिन सुबह में रॉयल ऑपेरा हाउस में ही किए गए गुजराती शो के मंचन में उपस्थित रहे थे.

बहूत ही कुशलता से रचे गए सिन्स, भव्यातिभव्य पृष्ठभुमि, नाट्यात्मक कला, आकर्षक सर्जनात्मकता और दिल को छू जाने वाले संवादो की वजह से महात्मा गांधी और उनके आध्यात्मिक गुरु - महान भारतीय संत श्रीमद राजचंद्र के अनूठे गहरे रिश्तो को मंच पर पुनःजिवीत किया गया.

पुज्य गुरुदेव श्री के मार्गदर्शन के अंतर्गत , श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर के द्वारा श्रीमद् जी के विचारों और सीखों के विविध आध्यात्मिक और सामिजक कार्यों के द्वारा सिखाया, समझाया और प्रसराया जाता है. श्रीमद् राजचंद्र जी के एक सो पचास वें जन्मजयंति वर्ष को लक्ष्य में रखकर, श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर ने नाट्य प्रयोग **युगपुरुष-महात्मा के महात्मा** प्रस्तुत किया है.

१४ नवंबर को मुंबई में युगपुरुष नाटक के प्रिमियर ने १५० वें वर्ष का प्रारंभ सुचित किया. सिर्फ ३५ दिनों में शहर में युगपुरुष के ४३ शॉज का मंचन हुआ जिसे दर्शकों ने बहूत सराहा. विविध बैकग्राउंड, वय और जातिओं के दर्शकों ने इस नाटक को पसंद किया है और माना है कि यह एक ऐसा ऐतिहासिक और नाट्यात्मक मास्टर पिस है जिस के चलते आधुनिक भारत में सामाजिक क्रांति की शुरआत हो सकती है.

गुजराती में भव्य सफ़लता पाने के बाद नाटक का हिंदी प्रयोग रॉयल ऑपेरा हाउस में प्रिमियर किया गया. युगपुरुष और उस के प्रेरणादायी संदेश को जल्द ही भारत के और विश्व के विविध मंचो पर अगले बारह महिनो में अलग अलग भाषाओं में दैनिक शोज़ के ज़रिए प्रस्तुत किया जाएगा. नाटक जल्द ही अंग्रेज़ी, मराठी, तामिल, बंगाली और कन्नडा भाषाओं में भी रिलीज़ होगा.

युगपुरुष अब जनवरी २०१७ में दक्षिण भारत के दर्शको को प्रेरणा देने के लिए तैयार हो रहा है, जिस के बाद फरवरी और अप्रैल में इस का मंचन गुजरात में होगा, मार्च में पुर्विय भारत और मई के महिने में युरोप जाने के बाद जुन में यह नाटक अमरिका में प्रस्तुत होगा. इस के बाद जुलाई में मिडल इस्ट, सितंबर में आफ्रिका जाने के बाद नवंबर में साउथ इस्ट एशिया और ऑस्ट्रेलिया में दर्शको तक पहूंचेगा.

नाटक का निर्देशन प्रतिष्ठीत निर्देशक राजेश जोशी - कोड़मंत्र फैम ने किया है, नाटक की मूल स्क्रिप्ट उत्तम गड़ा - महाराथी फैम ने लिखी है, हिंदी अनुवाद चिरंतना भट्ट ने किया है. नाटक में संगीत निर्देशन प्रतिष्ठी संगीतकार जोडी सचिन जिगर के द्वारा किया गया है.

इस नाटक के ज़रिए श्रीमद राजचंद्र होस्पिटल के कंस्ट्रक्शन को भी सहाय होगी - यह २०० बैड वाली मल्टि स्पेश्यालिटी चैरिटी होस्पिटल दक्षिण गुजरात में बनने जा रही है. अत्याधुनिक संसाधनों से सज्ज ये होस्पिटल ग्राम्य जनों के स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए जीवन परिवर्तीत कर पाएगी क्यूं की यहां वंचितो को निःशूल्क स्वास्थ्य सेवांए दि जाएंगी.

मुझे कहना चाहिए की किसीने भी मुझे इतना प्रभावित नहिं किया जितना रायचंदभाईने किया है. उनके शब्द हमेशा जैसे मेरे साथे मेरे घर चलते थे, मेरे आध्यात्म संकट के समय में वही मेरा आसरा होते थे.

गांधीजी, जो भारत और पुरे विश्व में अति प्रभावित करने वाली प्रतिभा है उन्हों ने यह शब्द उनकी आत्मकथा में - अपनी प्रेरणा श्रीमद् रायचंद दी के बारे में लिखे थे.

1935 में महात्मा गांधीने रॉयल ऑपेरा हाउस में जन सभा संबोधित की थी. 81 वर्ष बाद इस विक्टोरियन स्थापत्य में एक बार फ़िर गांधीजी मंच पर ज़िंदा हूए और भारतिय ईतिहास की अनकही अनोखी कथा बतायी - यह कथा जहां वो मोहनदास से महात्मा बने. बीसवीं सदी के सबसे प्रभावी नेताओं के पिछे क्या प्रेरक बल था जिसकी वजह से वह विश्व का इतिहास बदल सके?

महात्मा गांधी के आध्यात्मिक गुरु माने जाने वाले श्रीमद राजचंद्रजी एक महान भारतिय संत, कवि और फिलसूफ थे, राष्ट्रपिता पर उनका बहूत गहरा प्रभा था. उनके आध्यात्मिक स्तरों के लिए हमेशा उन्हें उच्च सम्मान दिया गया है. उनकी अनोखी प्रतिभा और साहित्यिक ग्यान के द्वारा श्रीमद्जी ने आध्यात्म और ज़िंदगी के जूड़े सवालों के जवाब ढूंढने वाले कईओं को प्रेरणा दी और अंतः की सफर के लिए प्रेरणा दी. आज भी उनकी शिक्षा पुरी दुनिया में कइयों के लिए मार्गदर्शक बनती है.

युगपुरुष एक क्रांति है जो लोगों में प्यार करने की क्षमता बढ़ाती है और निःस्वार्थ देने की भावना सिखाती है. इस के अलावा युगपुरुष से विविधता का संम्मान करना, विश्वास संपादित करना, सत्य को हमेशा साथ देना और मज़बूत प्रजा की रचना की समझ मिलती है.

भारत के सांस्कृतिक अभिगम को पुनःजिवीत करते हुए, युगपुरुष एक बार फ़िर अंतःकरण में झांकने के लिए एक सक्षम अनुभव देता है, सत्य को आगे रखते हूए, निडर बनकर स्व के चरित्र को बदल कर जागृति पाने की प्रेरणा भी देता है.

श्रीमद् राजचंद्रजी और महात्मा गांधी की ज़िंदगी और सोच कि विरासत आज भी विश्व शांति और मानव विकास के नए आयाम देते हैं.

“मैं जितना झ्यादा उनके जिवन और लेखन को जानता हूं, उतना ही मेंरा ये खयार द्रढ होता है की वह उनके समय के श्रेष्ठ भारतिय थे.” - महात्मा गांधी ने श्रीमद् राजचंद्रजी के बारे में एचएसएल पॉलॉक को लिखे पत्र में कही बात - अप्रैल 1909

श्रीमद् राजचंद्रजी के बारे में

श्रीमद् राजचंद्रजी आध्यात्म की सतत चलती खोज के गहरे और मार्मिक अवतार हैं. कार्तिकी पुर्णीमा के दिन ९ नवंबर, 1867 के दिन ववाणिया गुजरात में जन्मे श्रीमदी ग्यान, निस्वार्थ भक्ति और निर्लेपता (डिटेचमेंट) का आदर्श मिश्रण थे. श्रीमदजी को तेइस साल की उम्र में ही आत्म ग्यान हुआ था. उन्हों ने कइ महिने एकांत में पसार किए और स्व के परमानंद के स्थायी भाव में वह रहे थे. विश्व के प्रति उनकी करुणा श्री आत्मसिद्धी शास्त्र के स्वरूप में रची गयी जो तत्वचिंता के साहित्य का मास्टपिस है. चैत्र वद् पांचम, नौ अप्रैल 1901 के दिन, सिर्फ ३३ साल की उम्र में उन्हों ने राजकोट में अपना देह त्याग दिया. उनकी सीख ‘श्रीमद् राजचंद्र‘ के टाइटल के अंतर्गत बड़े वॉल्यूम में प्रकाशित हूए है जो सच्चे खोजी की तृष्णा को छीपा सकती है. आश्रम, मंदीर और श्रीमद् जो को समर्पित संस्थाओं के ज़रिए कई भक्त उनके सिखाए विचारों से आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ रहे हैं.

श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर

श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर एक वैश्विक क्रांति है जो आध्यात्मिक खोजीओं को उनके साहस में सहाय करती है और समाज के लाभ के लिए कार्यरत है. श्रीमद् राजचंद्र आश्रम, धरमपुर में आंतरराष्ट्रीय संस्थानों के मुख्य कार्यालय भी है जिसके चलते १०० सत्संग सेंटर्स, ३१ युथ ग्रूप्स और २२७ डिवाईनटच सेंटर - जो बच्चों के शिक्षण और स्वा विकास के लिए काम करते हैं - विश्व भर में फैले हुऐ हैं - जैसे उत्तर अमरिका, युरोप, आफ्रिका, एशिया और ओस्ट्रेलिया. श्रीमद् राजचंद्र लव एंड केयर प्रोग्राम में - हैल्थ केयर, एज्युकेशनल केयर, चाईल्ड केयर, विमन केयर, ट्राइबल केयर, कोम्युनिटी केयर, ह्युमेनिटेरियन केयर, एनिमल केयर, एन्वायरमेंटल केयर और इमर्जंसी रिलीफ केयर का समावेश होता है. श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर के अपने मिशन - स्व की सच्ची पहचान किजीए और दुसरों की निःस्वार्थ सेवा किजीए के मंत्र का अनुकरण कर के विश्व की उन्नती के लिए कार्यरत है.

www.shrimadrajchandramission.org

प्रेस संबंधित जानकारी के लिए अल्पा गांधी को संपर्क करेः

9920304047 or publicrelations@shrimadrajchandramission.org

आने वाले शोज़, बूकिंग्झ, टैस्टिमोनियल इत्यादी के लिए वेबसाईट देखिएः www.yugpurush.org

***